हत्याकांड | पुलिस की त्वरित कार्रवाई से सरेआम गुंडागर्दी करने वाले सभी आरोपी पहुंचे सलाखों के पीछे

युवक की हत्या करने वाले 6 आरोपी गिरफ्तार

घुघरी/मंडला, नवभारत। विकासखंड घुघरी के ग्राम घोरेघाट में पिछले दिनों हुई सनसनीखेज गुंडागर्दी, बेरहमी से मारपीट और अनिल पड़वार की हत्या के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की और वारदात में शामिल सभी 6 आरोपियों को चौबीस घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। वैधानिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सभी आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से विद्वान न्यायाधीश के आदेश पर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया है।

जानकारी अनुसार विगत दिवस ग्राम घोरेघाट में हुई वारदात में अनिल पड़वार हत्याकांड में शामिल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। छह आरोपियों में आशीष नामदेव, दीपक त्रिवेदी, सुनील नाविक, कपिल सोनवानी, लालीदास सोनवानी और विनोद मरकाम को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

ये था पूरा मामला

बताया गया कि पिछले दिनों घुघरी के घोरेघाट क्षेत्र में आरोपियों ने सरेआम कानून व्यवस्था को चुनौती देते हुए भारी गुंडागर्दी की थी। इस दौरान आरोपियों ने अनिल पड़वार पर लाठी-डंडों से जानलेवा हमला करते हुए उनके साथ बेरहमी से मारपीट की थी। इस गंभीर और बर्बर हमले में अनिल पड़वार की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई थी और स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश व्याप्त था। घटना के तुरंत बाद से ही पुलिस आरोपियों की सरगर्मी से तलाश कर रही थी।

पुलिस टीम की मुस्तैदी से मिली सफलता

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी पूजा बघेल एवं चौकी प्रभारी नीलेश पटेल की संयुक्त पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाई। पुलिस ने मुखबिरों के तंत्र को सक्रिय कर और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी करते हुए घटना में नामजद सभी छह आरोपियों को अलग-अलग ठिकानों से दबोच लिया। पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के नागरिकों ने राहत की सांस ली है और कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास जताया है।

माता-पिता ही संसार के चलते-फिरते देवता : मिथिलेश मिश्रा

ग्राम निवसा में भागवत महायज्ञ का आयोजन, पारिवारिक एकता पर भावुक हुए श्रद्धालु

भुआबिछिया। उपनगर बिछिया के अंतर्गत आने वाले ग्राम निवसा में राजेंद्र राजपूत, रोहन सिंह और मोहन सिंह के निवास पर पितरों की आत्म-शांति के लिए श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा के द्वितीय दिवस में भागवताचार्य मिथिलेश मिश्रा के मुखारविंद से प्रवाहित हुई सरस वाणी ने श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। आचार्य श्री ने मानव जीवन के आदर्श आचरण, सच्चरित्र जीवन शैली और बच्चों को दिए जाने वाले संस्कारों पर अत्यंत सुंदर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

द्वितीय दिवस की कथा के दौरान व्यासपीठ से माता-पिता और भाई की अहमियत बताते हुए आचार्य मिथिलेश मिश्रा ने कहा इस संसार में खोई हुई हर वस्तु दोबारा मिल सकती है, लेकिन माता-पिता और सगे भाई कभी वापस नहीं मिलते। जब तक माता-पिता का साया सिर पर है, तब तक संसार की हर खुशी पास है। जिस दिन मां इस दुनिया से विदा लेती है, संतान के जीवन से निस्वार्थ प्रेम और वात्सल्य चला जाता है; क्योंकि केवल मां ही बच्चों के भोजन और सुख का सबसे पहले ध्यान रखती है। वहीं, पिता के जाने से जीवन का आसरा और उजाला चला जाता है। आचार्य जी ने माता-पिता को साक्षात भगवान का स्वरूप बताते हुए कहा कि यदि इस धरती पर कोई चलता-फिरता देवता है, तो वे हमारे जन्मदाता हैं।

पारिवारिक एकता और व्यसनमुक्ति का दिया संदेश

महाराज श्री ने संयुक्त परिवार के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जीवन में परिस्थितियां कैसी भी आ जाएं, परिवार कभी टूटना नहीं चाहिए। जब तक परिवार में एकता का बंधन मजबूत है, तब तक समाज में सम्मान है। कथा के माध्यम से उन्होंने भक्तों से दगा, धोखा, जुआ और शराब जैसे सामाजिक विकारों से दूर रहने की पुरजोर अपील की। उन्होंने कहा कि यह मानव शरीर ईश्वर का अंश है। जब इस हृदय में परमात्मा विराजमान हैं, तो किसी भी प्रकार के नशे या व्यसन की कोई आवश्यकता नहीं है।

कथा के दौरान आचार्य श्री ने पूर्व दिवस के प्रसंगों को जोड़ते हुए बताया कि किस प्रकार श्रीमद् भागवत श्रवण से प्रेत योनि में भटक रहे धुंधकारी को मोक्ष की प्राप्ति हुई। इसके साथ ही उन्होंने भक्ति, ज्ञान और वैराग्य के महात्म्य, श्रोता और वक्ता के लक्षण एवं नियम, परम पूज्य श्री सुखदेव जी महाराज की पावन जन्म कथा तथा देवर्षि नारद जी के तीन जन्मों की कथा का सविस्तार वर्णन कर भक्तों को रसपान कराया। इस दौरान संपूर्ण क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।

आईजी शाक्यवार ने ली अपराध समीक्षा बैठक

लंबित मामलों के त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

मंडला। पुलिस कंट्रोल रूम मंडला में पुलिस महानिरीक्षक ललित शाक्यवार की अध्यक्षता में अपराध समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले की कानून व्यवस्था, लंबित विवेचनाओं, मर्ग प्रकरणों और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की समीक्षा की गई। आईजी ने सभी थाना प्रभारियों को लंबित मामलों का त्वरित व गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने के कड़े निर्देश दिए। विशेष रूप से महिला व बाल अपराधों पर संवेदनशीलता से त्वरित कार्रवाई करने और महिला हेल्प डेस्क को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। इसके साथ ही थाना प्रबंधन को सुधारने और बीट व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। बैठक के बाद आईजी ने पत्रकारों व गणमान्य नागरिकों से संवाद कर कानून व्यवस्था पर चर्चा की। इस दौरान एसपी श्री राजेश रघुवंशी सहित जिले के सभी पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

भीममा तालाब का हुआ सौंदर्यीकरण, ग्रामीणों ने ली जल संरक्षण की शपथ

नैनपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत केरेगांव में जल स्रोत पूजन एवं गंगा कलश यात्रा का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत पांचवे वित्त आयोग के सहयोग से ग्राम के ऐतिहासिक भीममा तालाब का गहरीकरण, पत्थर की पिचिंग, सड़क निर्माण और रंग-रोगन कर इसका भव्य सौंदर्यीकरण किया गया है। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर ग्राम पंचायत और नवांकुर संस्था ग्रामीण अधिकार मंच के सहयोग से दीप प्रज्वलित कर कलश यात्रा निकाली गई। मां नर्मदा के भजनों के साथ शुरू हुई इस यात्रा के बाद तालाब के जल का अभिषेक कर विशेष पूजन-अर्चन किया गया। कार्यक्रम में जनपद पंचायत नैनपुर के सीडीओ विशाल धुर्वे ने ग्रामीणों को जल संवर्धन के लिए प्रेरित करते हुए हर घर में सोखता गड्ढा बनाने की तकनीक समझाई और जल संरक्षण की शपथ दिलाई। वहीं उप सरपंच श्री जिले सिंह साहू ने खेतों में पेड़ लगाने और गांव को जलयुक्त ग्राम बनाने की अपील की। इस अवसर पर सरपंच श्रीमती संपतिया उइके, जनपद सदस्य जागृति उइके, सचिव राजेंद्र साहू सहित महिला समूहों और समाजसेवी संस्थाओं के 111 लोग उपस्थित रहे।

गंगा दशहरा पर निकली कलश यात्रा

बबलिया। विकासखंड नारायणगंज के बबलिया सेक्टर 5 में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम पंचायत मैली में स्थानीय जल स्रोतों के पास विशेष साफ-सफाई अभियान चलाया गया। इसके साथ ही ग्रामीणों को जल संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए एक कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामीणों और जन-प्रतिनिधियों ने जल स्रोतों की सुरक्षा एवं उनके संरक्षण की सामूहिक शपथ ली। जन अभियान परिषद की ओर से बबलिया माल, देवरी कला, मैली, डाला खापा और छपरा ग्राम पंचायतों में भी इन कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया, जहां जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के सेक्टर प्रभारी सुरेश कुमार सोनी, कृष्ण कुमार झारिया, पंचायत सचिव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और महिलाएं उपस्थित रहीं।

आम आदमी पार्टी की बिछिया में हुई बैठक

भुआबिछिया। आम आदमी पार्टी की बिछिया में दिल्ली से आए पार्टी के सहप्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य विसस्तर पर संगठन का विस्तार कर पार्टी की नीतियों को बूथस्तर तक पहुंचाना था। बैठक के दौरान आगामी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव और नगरीय निकाय चुनावों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस सांगठनिक बैठक में प्रदेश सहप्रभारी धर्मेंद्र सिंह रावत के साथ सहयोगी अविनाश चौधरी, जिला अध्यक्ष पंकज सोनी, जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी, यशवंत जायसवाल व धीरज पनरिया, संगठन मंत्री शिशु सिंधु भलावी, बौद्धिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अशोक पांडे, यूथ विंग के जिला अध्यक्ष आदित्य पटेल व उपाध्यक्ष तरुण बघेल, लीगल विंग के जिला अध्यक्ष मुकेश तुमराली व उपाध्यक्ष जागेश यादव, सहसचिव पुष्पराज मरावी और जिला मीडिया प्रभारी आशीष वैष्णव मुख्य रूप से शामिल हुए। इसके साथ ही ब्लॉक अध्यक्ष विशाल कटारिया, जगन्नाथ धारवैया, सतीश धुर्वे, संतराम मरावी सहित सैकड़ों सक्रिय कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मां नर्मदा से पांच किलोमीटर के दायरे तक शराब पर पूर्ण प्रतिबंध लागू

धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर पुलिस कंट्रोल रूम में हुई बैठक

मंडला। पवित्र नर्मदा नगरी की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखने और आगामी धार्मिक आयोजनों में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में नर्मदा नगरी के 05 किलोमीटर परिधि क्षेत्र को पूर्णत: शराब मुक्त रखने के लिए पुलिस कंट्रोल रूम में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई।

प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार घोषित ड्राय जोन क्षेत्र के भीतर शराब के क्रय-विक्रय, परिवहन और अवैध भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। बैठक में स्पष्ट किया गया कि नर्मदा तट की पवित्रता और सामाजिक सौहार्द को ध्यान में रखते हुए इस नियम का कड़ाई से पालन कराया जाएगा।

होटल और ढाबों के लिए सख्त निर्देश

पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र के सभी होटल, ढाबा, लॉज और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को निर्देशित किया है कि वे अपने परिसरों में शराब का विक्रय या सेवन न कराएं। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध वैधानिक और कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

बैठक में शामिल रहे वरिष्ठ अधिकारी

इस महत्वपूर्ण बैठक में अनुविभागीय अधिकारी सोनल सिडाम, एसडीओपी पियूष मिश्रा, तहसीलदार हिमांशु भलावी, कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक सफीख खान, यातायात थाना प्रभारी ललित धुर्वे सहित अन्य प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतत निगरानी रखें।

पुलिस ने भी की आदेशों को मानने की अपील

मंडला पुलिस ने आम नागरिकों, व्यापारियों और होटल संचालकों से अपील की है कि वे प्रशासनिक आदेशों का सम्मान करें। धार्मिक और सामाजिक समरसता बनाए रखने के लिए इस मुहिम में प्रशासन का सहयोग करें ताकि आगामी आयोजनों को गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न कराया जा सके।

हरे माधव संस्था ने शुरू किए 25 शीतल प्याऊ

मंडला। मानव सेवा ही माधव सेवा है के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति कटनी शाखा, द्वारा शहर में एक सराहनीय पहल की गई है। इस तपती धूप और भीषण गर्मी को देखते हुए समिति द्वारा मंडला शहर और उपनगर महाराजपुर के प्रमुख आवागमन वाले क्षेत्रों में हरे माधव प्याऊ की स्थापना की जा रही है, जिससे राहगीरों को बड़ी राहत मिल रही है।

आध्यात्मिक भक्ति और प्रकृति व पर्यावरण सुरक्षा के नियमों का पालन करते हुए समिति ने शहर के ऐसे लगभग 25 व्यस्त स्थानों को चुना है, जहां लोगों का आना-जाना सबसे अधिक होता है। इन सभी चिन्हित स्थानों पर प्याऊ लगाकर नगर वासियों और दूर-दराज से आने वाले लोगों के लिए ठंडे और स्वच्छ पेयजल की उत्तम व्यवस्था की गई है।

हर वर्ष चलती है यह मुहिम

सतगुरु बाबा ईश्वर शाह जी के आशीर्वाद और प्रेरणा से समिति द्वारा हर वर्ष गर्मियों में इस सेवा कार्य का आयोजन किया जाता है। समिति के सदस्यों ने बताया कि निस्वार्थ सेवा भावना से शुरू किए गए इस सिलसिले को लगातार बनाए रखा गया है। खास बात यह है कि संस्था की इस अनूठी और मानवीय पहल में शहर के अन्य सेवाभावी नागरिक भी आगे बढ़कर अपना सहयोग प्रदान कर रहे हैं। दिनभर इन प्याऊ केंद्रों पर पानी पीने वाले लोगों की भीड़ देखी जा सकती है, जो संस्था के इस कार्य की सराहना कर रहे हैं।

कलेक्टर ने थामी झाड़ू, माहिष्मती घाट पर किया श्रमदान

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कलेक्टर ने दिया जल संरक्षण का संदेश

मंडला। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिला प्रशासन द्वारा माहिष्मती घाट पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। मंगलवार सुबह कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने स्वयं हाथों में झाड़ू थामकर घाट परिसर में श्रमदान किया और कूड़ा उठाकर नागरिकों को माँ नर्मदा की स्वच्छता और जल संरक्षण का संदेश दिया।

कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए माहिष्मती घाट पर प्रत्येक 20 से 25 कदम की दूरी पर डस्टबिन रखे जाएं। इसके साथ ही स्वच्छता संबंधी साइन बोर्ड लगाने और नियमित अनाउंसमेंट के जरिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए जिससे पूजा सामग्री नदी में प्रवाहित न हो। बताया गया कि इसके साथ ही 1 जून से शुरू होने वाले 21 दिवसीय योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिदिन की सफाई गतिविधियों को भी अनिवार्य रूप से शामिल करने का निर्णय लिया गया। कलेक्टर ने कहा कि माँ नर्मदा हमारी जीवनदायिनी हैं और इनकी सुरक्षा हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों और नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, सीईओ जिला पंचायत शाश्वत सिंह मीना, एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम सहित नगर पालिका व जिला प्रशासन के कई अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

माहवारी स्वच्छता पर समन्वय कार्यशाला आयोजित

मंडला। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित समन्वय कार्यशाला में 28 मई को स्वच्छ माहवारी दिवस के उपलक्ष्य में माह भर चलने वाले विशेष जागरूकता अभियान की रूपरेखा तैयार की गई। सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहंति ने बताया कि 28 मई से 28 जून तक जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से किशोरियों व महिलाओं को स्वच्छता प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से दूर करने पर जोर दिया। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पीएल कोरी ने कहा कि इस विषय पर चुप्पी तोड़कर ही किशोरियों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाया जा सकता है। अभियान में शिक्षा विभाग भी सक्रिय भूमिका निभाएगा और स्कूलों में जीवन कौशल गतिविधियों के माध्यम से इसे जोड़ा जाएगा। किशोरियां टोल फ्री नंबर 14416 या चैट के माध्यम से भी विशेषज्ञ परामर्श ले सकती हैं।

गणना | तीन दिवसीय अभियान में भारतीय और सफेद पीठ वाले गिद्धों की हुई पहचान, 21 अवयस्क गिद्ध भी आए नजर

गिद्ध गणना के अंतिम दिन मिले 263 गिद्ध

कान्हा/ मंडला। पारिस्थितिकी तंत्र को संतुलित रखने में नेचुरल क्लीनर की भूमिका निभाने वाले गिद्धों की बढ़ती संख्या कान्हा के समृद्ध वातावरण के लिए एक अच्छी खबर है। बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग द्वारा प्रदेशव्यापी गिद्ध गणना-2026 के दूसरे चरण ग्रीष्मकालीन गणना का कार्य कान्हा टाइगर रिजर्व में सपन्न हो गया है।

गिद्धों की घटती संख्या पर चिंता और उनके संरक्षण के उद्देश्य से कान्हा के कोर एवं बफर वनमंडल के साथ फेन वाइल्डलाइफ सेंचुरी के सभी 13 परिक्षेत्रों में तीन दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। ग्रीष्मकालीन गणना के पहले दिन 306, दूसरे दिन 333 गिद्ध और तीसरे अंतिम दिन 263 गिद्ध मिले है। जानकारी अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना रविवार को संपन्न हो गया। गणना के तीसरे और अंतिम दिन कान्हा, मुक्की,

सरही एवं किसली परिक्षेत्रों में 263 गिद्ध दर्ज किए गए। प्रशिक्षित अमले द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत की गई इस गणना में गिद्धों की दो प्रमुख प्रजाति के भारतीय गिद्ध और सफेद पीठ वाले गिद्ध मिले। यह विशेष गणना अभियान कान्हा टाइगर रिजर्व के चार प्रमुख परिक्षेत्र में प्रशिक्षित अमले और वन्यजीव विशेषज्ञों के दल ने दूरबीन और आधुनिक कैमरों की मदद से गिद्धों के ठिकानों पर नजर रखी।

दो दुर्लभ प्रजातियों की हुई पुष्टि

प्रबंधन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार गणना के दौरान मुख्य रूप से गिद्धों की दो महत्वपूर्ण प्रजातियां मिली है। जिसमें भारतीय गिद्ध और सफेद पीठ वाले गिद्ध मिले है। विशेषज्ञों के दल ने आयु के आधार पर भी इनका वर्गीकरण किया है, जिसमें कुल 263 गिद्धों में से 242 वयस्क और 21 अवयस्क यानी गिद्धों के बच्चे शामिल हैं। अवयस्क गिद्धों की मौजूदगी यह संकेत देती है कि कान्हा का वातावरण इनके प्रजनन और वंश वृद्धि के लिए पूरी तरह अनुकूल है।

संरक्षण रणनीतियों को मिलेगा बल

बताया गया कि यह ग्रीष्मकालीन गणना 22 मई से 24 मई तक तीन दिनों तक चली। पार्क अधिकारियों का मानना है कि इस प्रकार की समयबद्ध गणनाएं गिद्धों की प्रजातिगत स्थिति, उनकी संख्या के उतार-चढ़ाव और उनके आवासीय व्यवहार को समझने में मील का पत्थर साबित होती हैं। इस गणना से प्राप्त प्रामाणिक आंकड़े भविष्य में गिद्धों के संरक्षण की रणनीतियों को और अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।